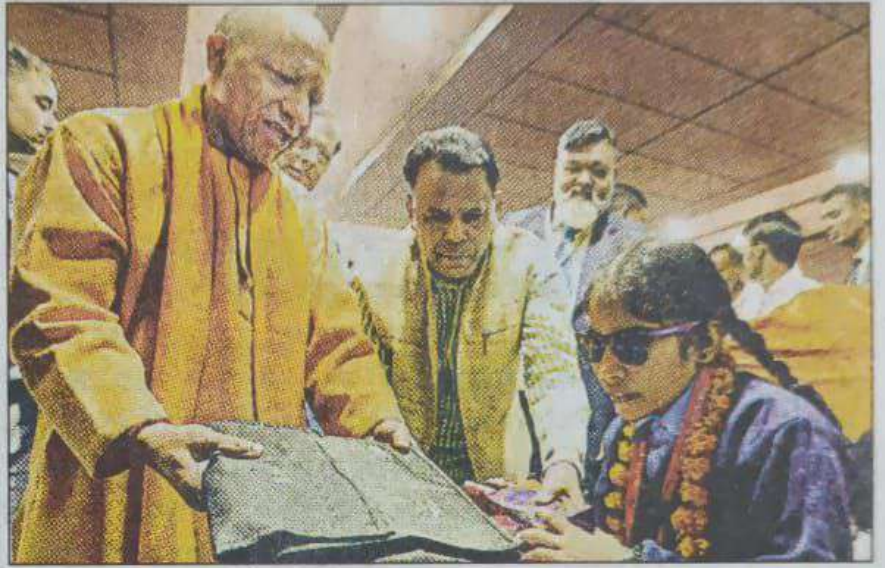


# दिव्यांगजनों ने दिखाया, हम किसी से कम नहीं : योगी

## विश्व दिव्यांग दिवस पर राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दिव्यांगजनों को जब भी अवसर मिला, अपनी प्रतिभा से दुनिया को रोशन किया। ऋषि अष्टावक्र, महाकवि सूरदास, भौतिक विज्ञानी स्टीफन हॉकिंग और जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य का उदाहरण देते हुए सीएम ने कहा कि समाज का प्रोत्साहन मिलने पर उन्होंने साबित किया वे किसी से कम नहीं हैं।

- सीएम ने कहा कि काम करने की इच्छाशक्ति होनी चाहिए। बाधाएं अपने आप दूर होंगी। मुख्यमंत्री विश्व दिव्यांग दिवस पर लोकभवन में आयोजित राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। सीएम ने कहा कि आज राज्य में दो दिव्यांग विश्वविद्यालय हैं। लखनऊ में डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय और चित्रकूट में जगद्गुरु रामभद्राचार्य विश्वविद्यालय।



लखनऊ में लोकभवन में विश्व दिव्यांग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में दिव्यांगजनों को सम्मानित करते सीएम योगी। -अमर उजाला

अलग-अलग क्षेत्रों में दृष्टिबाधित, मूकबधिर व अन्य बच्चों के लिए भी कॉलेज संचालित हैं, लेकिन इनकी संख्या बढ़ाने की आवश्यकता है। इसमें प्रशिक्षित शिक्षक हों, अच्छा मानदेय, सुविधाएं, प्रशिक्षण मिले और तकनीक से सक्षम बनाया जाए। बच्चों की तरफ इशारा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका अनुशासित व्यवहार दिखाता है कि आप काम करेंगे तो परिणाम आपकी काबिलियत बताएगा। ब्यूरो

>> कार्य करने की इच्छाशक्ति जताएं, फंड बाधा नहीं : माई सिटी

# काम करने की इच्छाशक्ति जताएं, फंड बाधा नहीं

सीएम योगी आदित्यनाथ बोले, पहले दिव्यांगों की आधी पेंशन बाबू खा जाते थे, अब तीन गुना से ज्यादा खातों में जा रही

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि कार्य करने की इच्छाशक्ति होनी चाहिए, फंड बाधा नहीं है। 2017 में प्रदेश में केवल 7-8 लाख दिव्यांगजनों को पेंशन मिलती थी, वह भी महज 300-300 रुपये। यह राशि छह महीने में आती थी और आधा पैसा बाबू खा जाते थे।

हम लोग सीधे लाभार्थी के खाते में राशि भेजते हैं। हमने यह राशि 300 रुपये से बढ़ाकर एक हजार रुपये की। अब 11 लाख दिव्यांगजन 12 हजार रुपये वार्षिक पेंशन का लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

तीन हजार रुपये महीना कुष्टावस्था पेंशन पीड़ित व्यक्ति के परिवार को उपलब्ध कराते हैं। इन परिवारों को पीएम या सीएम आवास भी देंगे।



लोकभवन में दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग की ओर से आयोजित राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह में सम्मानित लोगों व छात्र-छात्राओं के साथ सीएम योगी आदित्यनाथ, विभाग के मंत्री नरेंद्र कश्यप व अन्य। - अमर उजाला

## समाज के हर तबके के लिए काम कर रही सरकार

सीएम योगी ने देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती (राष्ट्रीय अधिवक्ता दिवस) की शुभकामना दी और कहा कि सरकार समाज के हर तबके के लिए काम करते हुए पीएम मोदी के विजन सबका साथ, सबका विकास के मंत्र के साथ बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि दिव्यंगता एक शारीरिक कम मानसिक स्थिति मानी जाती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ये शब्द देकर गरिमामय जीवन में आगे बढ़ाने की प्रेरणा दी है।

## कानपुर देहात के रामचंद्र गुप्ता आत्मनिर्भरता के मॉडल

सीएम ने कहा कि राजकीय सेवाओं में दिव्यांगों के लिए चार फीसदी आरक्षण की व्यवस्था है। कानपुर देहात के रामचंद्र गुप्ता के बारे में कहा कि दिव्यांग होने के बावजूद वे स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता के मॉडल हैं। अपने संसाधनों से बच्चों के लिए बड़े केंद्र चलाते हैं। शादी-विवाह के लिए (40 फीसदी वाले दंपती) पति के दिव्यांग होने पर 15 हजार, पत्नी के लिए 20 हजार व दोनों के दिव्यांग होने पर 35 हजार रुपये की सहायता दे रहे हैं।

## सर्जरी के लिए अनुदान राशि बढ़ी

- सर्जरी के लिए अनुदान राशि 10 हजार रुपये
- मूकबधिर बच्चों के काविलियर इम्प्लान्ट सर्जरी के लिए छह लाख रुपये की राशि दी गई है। प्रदेश में इस वर्ष 24 सर्जरी हुईं।
- पूर्वदशम छात्रवृत्ति योजना के लिए 107 करोड़ बजट था, अब 160.16 करोड़ किया गया है।
- 2016-17 में 141 करोड़ से 70 हजार बेटियों को लाभ मिलता था। अब 200 करोड़ से एक लाख लाभान्वित हैं।

## दृष्टिबाधित छात्रों ने मेट्रो में किया सफर

लखनऊ। अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर डॉ. शकुंतला मिश्रा विवि के 35 दृष्टिबाधित छात्रों के दल ने सिंगारनगर मेट्रो स्टेशन से हजरतगंज तक की यात्रा की। इसका मकसद लखनऊ मेट्रो की ओर से दिव्यांगजनों के लिए स्टेशन व मेट्रो पर उपलब्ध कराई सुविधाओं की जानकारी देना था। मेट्रो प्रबंधन के जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि छात्रों ने मेट्रो स्टेशन के प्रवेश द्वार से ही स्टेशन पर लगे टेकटाईल पाथ का इस्तेमाल करते हुए टिकट काउंटर तक जाकर टोकन खरीदा और फिर कॉनकोर्स तक पहुंचे। कुछ छात्र एस्कलेटर्स और बाकी लिफ्ट से प्लेटफार्म तक गए। इस दौरान स्टाफ उन्हें जानकारी देता रहा। मेट्रो की हेल्पलाइन नंबर के बारे में भी बताया। दल में शामिल छात्रों की यह पहली मेट्रो की यात्रा थी। (माई सिटी रिपोर्टर)

# 'दिव्यांगों को आत्मनिर्भर बनाना हो हमारी प्राथमिकता'

जासं • लखनऊ : दिव्यांगों को आत्मनिर्भर बनाना और समाज में उनकी पूर्ण सहभागिता सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। समावेशी और टिकाऊ भविष्य के लिए दिव्यांग व्यक्तियों के नेतृत्व को बढ़ावा देना हमारे समय की अनिवार्य आवश्यकता है। हमें इस दिशा में एकजुट होकर प्रयास करना होगा। ये विचार सक्षम संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के दृष्टि दिव्यांग आचार्य दयाल सिंह पवार ने डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में मंगलवार को विश्व दिव्यांग दिवस पर आयोजित विशेष राष्ट्रीय संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि रखे।

कृत्रिम अंग एवं पुनर्वास केंद्र के सभागार में हुई संगोष्ठी में मुंबई की



शकुंतला विश्वविद्यालय के छात्रों ने सिंगार नगर से गंज तक मेट्रो की यात्रा की • विश्वविद्यालय

टीच संस्था के संस्थापक एवं यशवंत राव केलकर सम्मान से विभूषित विशिष्ट अतिथि दीपेश नायर ने कहा कि हमें दिव्यांगजन के सशक्तीकरण के लिए एक ऐसी प्रणाली विकसित करनी चाहिए, जो उनकी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए समावेशी हो।

## लोहिया संस्थान देगा न्यूरो रिहैबिलिटेशन फेलोशिप

जासं, लखनऊ : डा. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास विभाग (पीएमआर) के प्रमुख प्रोफेसर वीएस गोगिया ने मंगलवार को कहा कि संस्थान में राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान परीक्षा बोर्ड की न्यूरो रिहैबिलिटेशन फेलोशिप, फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन में एमडी कोर्स शुरू करने की योजना पर काम चल रहा है। इनके अलावा राज्य में पहली समर्पित इनडोर कैंसर रिहैबिलिटेशन सुविधा शुरू करने की भी योजना बनाई जा रही है। अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर पीएमआर विभाग की ओर से दिव्यांगों को पुनर्वास के बारे में जागरूक किया गया। प्रो. गोगिया ने बताया कि दिव्यांग संस्थान की पीएमआर ओपीडी में फोन नंबर 0522-6692127 पर सुबह नौ से दोपहर तीन बजे तक संपर्क कर सकते हैं। विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. यशवीर सिंह ने बताया कि 20 पीएमआर विशेषज्ञ उत्तर प्रदेश में कार्यरत हैं।

कुलपति आचार्य संजय सिंह ने कहा कि दिव्यांगजन की समस्याओं का समाधान केवल सरकारी योजनाओं से नहीं हो सकता, इसके लिए समाज के हर वर्ग को अपनी भूमिका निभानी होगी।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की

उपलब्धियों और दिव्यांगजन के उत्थान के लिए किए गए कार्यों पर आधारित डाक्यूमेंट्री प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो. वीके सिंह, कुलसचिव रोहित सिंह, वित्त अधिकारी श्रीनिवास त्रिपाठी उपस्थित रहे।

किसानों ने हवन किया। इसी बीच पर मंगलवार को ही दिल्ली कूच गया है।

## योगी ने 46 मेधावी दिव्यांग छात्रों को किया सम्मानित 1.84 लाख किसान

राज्य ब्यूरो, जागरण, लखनऊ: विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिव्यांगता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 19 लोगों को राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान किए। 46 मेधावी छात्रों को सम्मानित किया और 40 दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरित किए।

उन्होंने कहा कि सरकार पैसा देना चाहती है, संस्थान खोलना चाहती है लेकिन उस पर समयबद्ध निर्णय लेकर हमें तेजी के साथ आगे बढ़ना होगा। मुख्यमंत्री ने पिछड़ा वर्ग के 2,53,211 छात्र-छात्राओं को कुल 54.38 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति सीधे उनके बैंक खातों में भेजी। कंप्यूटर प्रशिक्षण प्राप्त 28 युवाओं को प्रमाणपत्र भी प्रदान किए। उन्होंने कहा कि वर्ष 2016-17 में पिछड़ा वर्ग के कल्याण के 1295 करोड़



लखनऊ में मंगलवार को विश्व दिव्यांग दिवस पर दिव्यांगजन सशक्तीकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों/संस्थाओं एवं दिव्यांग कर्मचारियों को सम्मानित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ • सूचना विभाग

रुपये का बजट आवंटित किया गया था। हमने इस राशि को बढ़ाकर 2800 करोड़ रुपये किया है जो कि 116 प्रतिशत ज्यादा है। मुख्यमंत्री ने देश के पहले राष्ट्रपति डा. राजेंद्र प्रसाद की जयंती पर उनको याद करते हुए कहा कि वह स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, प्रखर अधिवक्ता और संविधान सभा के अध्यक्ष भी

थे। इस अवसर पर पिछड़ा वर्ग कल्याण व दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप, समाज कल्याण राज्यमंत्री संजीव गोंड, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, प्रमुख सचिव सुभाष चंद शर्मा, डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के कुलपति संजय सिंह भी मौजूद थे।

## 1.84 लाख किसान लाख टन हुई धान

राज्य ब्यूरो, जागरण, लखनऊ : प्रदेश में किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर की जा रही धान खरीद की स्थिति में बीते एक पखवारे में तेजी देखी गई है। पूरे प्रदेश में तीन दिसंबर तक 1,84,536 किसानों से 12.86 लाख टन धान की खरीद हुई जो कि लक्ष्य का 18.38 प्रतिशत है। धान क्रय के मद में किसानों को 2653 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। गत वर्ष समान अवधि तक 10.12 लाख टन धान खरीदा गया था। पिछले वर्ष के सापेक्ष इस वर्ष किसानों को 873 करोड़ रुपये का अधिक भुगतान किया गया है। मंगलवार को खाद्य एवं रसद राज्यमंत्री सतीश चंद्र शर्मा की अध्यक्षता में हुई विभागीय बैठक में यह आंकड़े साझा किए गए।

# Differently-abled have shown their mettle in every field: Yogi

Govt working for every section of the society and moving forward with PM's "Sabka Saath, Sabka Vikas" vision, says CM

HT Correspondent

letters@htlive.com

**LUCKNOW** : Chief minister Yogi Adityanath on Tuesday said Prime Minister Narendra Modi gave respect to "divyangjans" (differently-abled people) and thereby inspired them to move forward in life in a dignified manner.

He also said the differently-abled people have shown their mettle whenever they have got a chance to do so with the encouragement and support of the society. The CM expressed these views while addressing a state-level award ceremony marking the International Day of Persons with Disabilities at Lok Bhavan here. Yogi cited the examples of sage Ashtavakra, poet Surdas, scientist Stephen Hawking and Jagatguru Swami Rambhadra-charya.

He said the government was working for every section of the society and moving forward with PM Modi's "Sabka Saath, Sabka Vikas" vision.

"There are two universities for specially-abled in the state namely Dr Shakuntala Misra National Rehabilitation University, Lucknow, and Jagatguru Divyang University in Chitrakoot," the CM added.

"Colleges are also being run for visually impaired, deaf and dumb and other children in different areas, but there is a need



CM Yogi during an event marking the Int'l Day of Persons with Disabilities at Lok Bhavan in Lucknow on Tuesday. DEEPAK GUPTA/HT

## YOGI GIVES TABS, ASSISTIVE DEVICES

**LUCKNOW** : Chief minister Yogi Adityanath feted exceptional "divyangjans" at an event in Lok Bhavan on Tuesday. He also recognised the efforts of those working tirelessly for the upliftment of the differently-abled.

As part of the event, Yogi distributed assistive devices to 40 "divyangjans" and tablets to 324 differently-abled students.

The CM transferred

scholarships worth Rs 54.38 crore to over 2.53 lakh children from backward classes through direct benefit transfer (DBT).

Many talented "divyangjans" were presented with citations, prize money and tablets etc on stage.

The CM also honoured many meritorious students for their academic achievements in the 2023-24 session. **HTC**

to increase their numbers. There should be trained teachers in it. They should get good honorarium, facilities and training," he said.

"In 2017, only 7-8 lakh 'divyangjans' in the state used to get a monthly pension of Rs 300. We increased it to Rs 1,000 per month. Now, around 11 lakh differently-abled are getting the pension benefits," Yogi added.

said that despite being disabled, he is an example of self-reliance.

"He runs a big centre for children. This proves if there is will power, even the biggest work can be done. The best example of talent and energy of the disabled was the Paris Paralympics in which there was a flurry of medals due to the excellent performance of our para athletes," the CM added.

"A provision of Rs 40 crore has been made for free travel of the disabled in the roadways buses. For marriage (couples with 40 percent disability), an assistance of Rs 15,000 is provided if the husband is disabled, Rs 20,000 for the wife and Rs 35,000 if both are disabled," he said.

A grant of Rs 20,000 is being given for shop construction and Rs 10,000 for running a shop, kiosk and hand cart," Yogi added.

Besides, he said, many programmes are being run by the state government for the differently-abled.

"Monetary support for various types of surgeries has been increased from Rs 8,000 to Rs 10,000. An amount of up to Rs 6 lakh has been given for distribution of artificial limbs besides cochlear implant surgery of deaf and dumb children. Twenty-four such surgeries have been done in Uttar Pradesh this year," he said.

The CM also appreciated a performance by the students of Government Sparsh Girls School.

State ministers Narendra Kashyap and Sanjeev Gond, chief secretary Manoj Kumar Singh and Dr Shakuntala Misra National Rehabilitation University vice chancellor Prof Sanjay Singh were prominent among those present on the occasion.

## CM REVIEWS DEVELOPMENT PROJECTS IN GKP

**GORAKHPUR** : Chief minister Yogi Adityanath inspected the first under-construction Veterinary Science College in eastern Uttar Pradesh at Tal Nandor here on Tuesday.

He also reviewed the progress of the national stadium and Kanha Gaushala, directing officials to ensure these projects set a benchmark for the integrated development of the region.

The foundation of the veterinary science college, designed on the principles of Raja Shalihotra— known as the father of veterinary science, was laid on March 3, 2023.

The college is being constructed at an estimated cost of ₹350 crore. The institution, affiliated with Pandit Deendayal Upadhyay Veterinary University, Mathura, is expected to benefit livestock of farmers from eastern Uttar Pradesh, western Bihar and neighbouring Nepal.

The first phase of construction, costing ₹277.31 crore, is expected to be completed by March 2026. CM Yogi emphasised the need for adequate infrastructure for animal care, including grazing lands, a dedicated Gaushala pond and summer shelters for animals. The CM also reviewed the design and layout of the national stadium and Kanha Gaushala. Officials informed him that preliminary surveys for the 106-acre stadium site had been completed. Yogi later visited Maharana Pratap Inter College grounds to review preparations for the week-long programme set to commence on Wednesday. **HTC**

द रहे।

का है। वामा, मंगलवार उपरात्रि गुरुवार के लिए उपरात्रि मंगलवार के लिए चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय का निरीक्षण कर रहे थे।

दन म सवश्रष्ट जिला चुना गया। इसके लिए मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु

यादव को बाधामुक्त वातावरण के सृजन के लिए विशेष पुरस्कार दिया।

# के दिव्यांगों का नेतृत्व और भागीदारी बढ़ाने पर जोर

## दिव्यांग दिवस

लखनऊ, कार्यालय संवादादाता। डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वासि विश्वविद्यालय में विश्व दिव्यांग दिवस पर संगोष्ठी हुई। समावेशी और टिकाऊ भविष्य के लिए दिव्यांग व्यक्तियों के नेतृत्व को बढ़ावा देना विषय पर संगोष्ठी में वक्ताओं ने दिव्यांगों की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया।

मुख्य अतिथि लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत विश्वविद्यालय के दृष्टि दिव्यांग आचार्य दयाल सिंह पवार ने कहा कि दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने और समाज में उनकी पूर्ण सहभागिता सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। समावेशी और टिकाऊ

- विश्व दिव्यांग दिवस पर पुनर्वासि विवि में संगोष्ठी
- शैक्षिक और चिकित्सा संस्थानों में हुए आयोजन

भविष्य के लिए दिव्यांग व्यक्तियों के नेतृत्व को बढ़ावा देना हमारे समय की अनिवार्य आवश्यकता है। हमें इस दिशा में एकजुट होकर प्रयास करना होगा।

दिव्यांगजनों के लिए संकल्पित: पुनर्वासि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय सिंह ने कहा कि हमारा विश्वविद्यालय दिव्यांगता के क्षेत्र में अभिनव प्रयोग करने, उनको सुगम वातावरण उपलब्ध कराने, दिव्यांगजनों के उचित सेवायोजन को संकल्पित है।

## बच्चे ने किया योग

कीर्ति फाउंडेशन की ओर से गांधी भवन में मानसिक बीमारी ऑटिज्म से पीड़ित सौरभ चक्रवर्ती ने उत्कृष्ट योग का प्रदर्शन किया तो लोग देखते रह गए। ऐसे ही कुछ दिव्यांग बच्चों ने इस अवसर पर चित्रकला, गायन का रचनात्मकता के साथ प्रदर्शन करके दिखाया।

## केजीएमयू में खेलकूद

केजीएमयू के फिजिकल एंड रिहैबिलिटेशन (पीएमआर) विभाग की ओर से मंगलवार को दिव्यांग दिवस पर खेल-कूद प्रतियोगिता हुई। इस मौके पर दिव्यांगजनों ने प्रतिभा दिखाई। वहीं मानसिक स्वास्थ्य विभाग में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

## कैंसर मरीजों के लिए पुनर्वासि क्लीनिक जल्द



लोहिया संस्थान में कैंसर मरीजों के लिए अच्छी खबर है। ऑपरेशन करा चुके मरीजों के पुनर्वासि के लिए खास क्लीनिक शुरू की जाएगी। यह जानकारी फिजिकल मेडिकल एंड रिहैबिलिटेशन विभाग के अध्यक्ष डॉ. वीएस गोगिया ने दी। वह मंगलवार को दिव्यांग दिवस पर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि यह प्रदेश की पहली पुनर्वासि क्लीनिक होगी।

ार, आदि अद्योमानक मिला था।

# पुनर्वास विवि में कार्यक्रम आयोजित

अमृत विचार, लखनऊ: डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में विश्व दिव्यांग दिवस के उपलक्ष्य में विशेष राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसका विषय समावेशी और टिकाऊ भविष्य के लिए दिव्यांग व्यक्तियों के नेतृत्व को बढ़ावा देना रहा। मुख्य अतिथि सक्षम संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष व लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत विश्वविद्यालय के दृष्टि दिव्यांग आचार्य दयाल सिंह पवार ने कहा कि दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाना और समाज में उनकी पूर्ण सहभागिता सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।